तमन्ना फिर मचल जाये,
अगर तुम मिलने आ जाओ,
मेरी ज़िन्दगी सवर जाए,
अगर तुम मिलने आ जाओ,
तमन्ना फिर मचल जाये,
अगर तुम मिलने आ जाओ।।

तर्ज जगत के रंग क्या देखूं।

मुझे ग़म है के मैंने ज़िन्दगी में,
कुछ नहीं पाया,
हाँ मैंने कुछ नहीं पाया,
ये ग़म दिल से निकल जाए,
अगर तुम मिलने आ जाओ।

तमन्ना फिर मचल जाए,
अगर तुम मिलने आ जाओ।।

ये दुनिया भर के सब झगड़े,
और विश्वास पर घाते,
विश्वास पर घाते,
बला हर एक टल जाए,
अगर तुम मिलने आ जाओ।

तमन्ना फिर मचल जाए,

अगर तुम मिलने आ जाओ।।

मेरे अपनों ने ही मुझको,
दिए है घाव जो गहरे,
दिए है घाव जो गहरे,
मरहम का काम हो जाए,
अगर तुम मिलने आ जाओ।

तमन्ना फिर मचल जाए,
अगर तुम मिलने आ जाओ।।

मेरे जीवन के गुलशन की,
बहारो पर खिजा छाई,
बहारो पर खिजा छाई,
ये मौसम भी बदल जाए,
अगर तुम मिलने आ जाओ।

तमन्ना फिर मचल जाए,
अगर तुम मिलने आ जाओ।।

नहीं मिलते हो तुम मुझसे,
तो मोह दुनिया से होता है,
तो मोह दुनिया से होता है,
कटे सारे ये भव बंधन,
अगर तुम मिलने आ जाओ।

तमन्ना फिर मचल जाए,
अगर तुम मिलने आ जाओ।।

तमन्ना फिर मचल जाये,
अगर तुम मिलने आ जाओ,
मेरी ज़िन्दगी सवर जाए,
अगर तुम मिलने आ जाओ,
तमन्ना फिर मचल जाये,
अगर तुम मिलने आ जाओ।।

Source: https://www.bharattemples.com/tamanna-phir-machal-jaye-in-hindi/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw